वर्णमाला में चतुर्थ वर्ग : 'त, थ द, ध, न' से आरम्भ होने वाले शब्द

'त' अक्षर से आरम्भ शब्द

433. तंत्री : वीणा आदि जैसे तार के संगीत वाद्य ।
434. तंदेही : प्रयास, प्रयत्न , आज्ञा ।

435. तक : किसी वस्तु , स्थान या व्यापार की सीमा ।
436. तट : नदी या सागर का किनारा । तीर ।
437. तटाक : सरोवर , तालाब , तड़ाग , ताल ।

438. तड़ाका : टूटने या जोर से आघात की ध्वनि । चोट , तुरंत , चटपट ।
439. तड़ावा : आडम्बर छल , कपट ।

440. तत्व : यथार्थ, वास्तविक स्थिति । स्वरूप , सार, वस्तु , सारांश । पंचभूत । मुख्य बात ।
441. तत्वतः : वस्तुतःय । अन्ततः । मूल रूप में ।

442. तत्ता : गरम । उष्ण । तत्पूर्व : सर्वप्रथम । सत्य । सच्चाई ।
443. तथा : और । इसी तरह । ऐसे ही ।

444. तनतना : क्रोध से भरा, तनतनाना ।
445. तनना : गर्म होना पद किसी पदार्थ का फैलना । वेग से खींचना । अकड़ का खड़े होना । गर्व से ऐंठना ।
446. तपन : रवि , ग्रीष्मकाल, जलन , दाह , ताप, ऑच, धूप ।
447. तपना : गर्म होना । तपस्या करना ।
448. तपनी : वह स्थान जहॉ जाड़े के दिनों में लोग आग तापते हैं ।

449. तपसी : तपस्या करने वाला । तपोबल : तप का प्रभाव या शक्ति ।

450. तप्त : तपा हुआ । गर्म । दुःखित । पीड़ित ।
451. तम : अन्धकार । मोह । अविद्या । तमस ।
452. तमक : उद्वेग । तीव्रता । क्रोध ।
453. तमकना : क्रोध में आवेश दिखलाना ।
454. तमतमाना : क्रोध से चेहरा लाल होना ।

455. तर्क : विचार । तर्कशास्त्र । मीमांसा शास्त्र ।
456. तर्कित : आलोचित । विचारा हुआ। अनुमान किया हुआ ।

457. तल : नीचे का हिस्सा । पात्र के अन्दर नीचे का फर्श या जमीन । पैर का तलवा । तली । पेंदी ।
458. तलना : किसी व्यंजन को घी या तेल में पकाना ।
459. तलमलाना : छटपटाना । पीड़ा के कारण व्याकुल होना ।
460. तलवा : पैर के नीचे का हिस्सा जो खेड़ होने पद जमीन से छूता है ।
461. तलिया : समुद्र की थाह ।

462. तान : विसतार । फैलाव । आलाप । खींच । लय का विस्तार।
463. ताना : कपड़े की बुनाई का वह सुत्र जो लम्बाई के बल में रहता है ।
464. तानना : परदा लगाना । वेग से खींचना । बढ़ाना । प्रहार के लिये शस्त्र उठाना ।

465. ताम : क्लेश , व्याकुलता , पाप , क्रोध, अन्धकार।
466. तमरस : सोना, चॉदी । तॉबा । कमल ।

467. तार : संगीत का एक सप्तक । धातु का खींच कर बनाया गया सूत्र । धातु से बना वह सूत्र जिसमें से बिजली का संचारण होता है । उॅचा स्वर। परम्परा । क्रम । युक्ति , उपाय , व्यवस्था । सुविधा । सूत्र या तागा । तारा या नक्षत्र ।

468. तारहार : बड़े बड़े मोतियों का हार ।

469. तीव्र : तेज़ । अत्यन्त क्षीण । बहुत गर्म । असह्य । तीखा । प्रचण्ड़ । कड़ुवा ।

470. तीर्थ : तारक , मोक्ष देने वाला । पुण्य स्थान । राष्ट्र की अठारह सम्पत्तियॉ । प्रयाग को तीर्थराज माना जाता है क्योंकि वहॉ त्रिवेण संगम है।

471. तृप्ति : सन्तोष । मन का अन्तिम पड़ाव जिसके आगे कोई इच्छा नहीं रह जाती क्योंकि यह मन को सब कुछ मिल जाने की स्थिति होती है ।

472. तृष्णा : किसी भी वस्तु के लिये बहुत आस या प्यास ।

473. तृष्ति : ऐसा व्यक्ति जो प्यासा है ।

'थ' अक्षर से आरम्भ शब्द

474. थकना : शिथिल होना । आशक्त होना ।

475. थमना : ठहरना , रूकना ।

476. थरथराना : भय के कारण जोर से कॉपना । थरथराहट । बिना नियंत्रण के शरीर का जोर से हिलना और पसीने से भीग जाना ।

477. थहाना : किसी का आश्रय या उद्देश्य जानने का प्रयत्न करना।

478. थान : कपड़े का पुरा टुकड़ा जो एक निधारित माप का होता है।

479. थाप : मृदंग या तबले पर पूरे हाथ का आघात । महत्व , प्रतिष्ठा , घाक, छाप , स्थिति ।

480. थाह : जल की गहराई ।

481. थू : तिरस्कार सूचक शब्द ।

482. थू थू करना : धिक्कारना । थोड़ा : कम, अल्प , न्यून ।

483. थोड़ा : अल्प , कम, न्यून , तनिक , थोड़ा बहुत, बिलकुल नहीं , थोरिक ।

484. थोक : राशि, राशि , ढ़ेर, समूह , एकत्रित वस्तु , इकट्ठा बेचने की वस्तु । भूमि का टुकड़ा ।

'द' अक्षर से आरम्भ शब्द

485. दक्षिण : उत्तर के सामने की दिशा । दाहिना , अनुकूल , निपुण , चतुर , समर्थ ।

486. दक्षिणा : प्रतिष्ठा , सम्मान , पुरस्कार , भेंट , ब्राहम्ण को दिया जाने वाला दान ।

487. दनदना : आनन्द करना ।

488. दनादन : तोप की ध्वनि । दन दन शब्द के साथ । तुरंत ।

489. दन्त : दॉत ।

490. दन्तक : पहाड़ की चोटी ।

491. दबाना : किसी भारी चीज़ के नीचे रखना । धीमा पड़ना । संकोच करना । किसी के दबाव से विवश होना । पीछे को हटना । छिपा रखना । धरती में गाड़ना । अनुचित रीति से

किसी का माल ले लेना । दमन करना । शान्त करना । चुन कराना ।

492. दमादम : लगातार ।
493. दमक : चमक , दमकना , चमकना ।
494. दमित : वश में किया हुआ ।

495. दमोड़ा : मूल्य ।
496. दमड़ी : एक पैसे का ऑठवा भाग ।

497. दरदरा : जो महीन न पिसा हो ।
498. दरदरना : वेग से आ पहुँचना ।
499. दरेरा : धक्का । रगड़ । तोड़ ।
500. दरेरना : रगड़ते हुये धक्का देना । पीसना । रगड़ना ।
501. दर्राना : बेधड़क किसी स्थान में प्रवेश करना ।

502. दर्शन : नयन, दर्पण, भेंट । साक्षात्कार । वह शस्त्र जिसके द्वारा यथार्थ तत्व का पता चलता है ।
503. दर्शनीय : देखने योग्य । सुन्दर ।

504. दलक : शरीर की वह पीड़ा जो रह रह कर उठती हो ।
505. दलन : विनाश । संहार । नाश ।
506. दलदल : ऐसी भूमि जो बहुत गहराई तक गीली और नर्म हो या थलथल हो गई हो और जिसमें कोई भी ठोस वस्तु धंसती जाती हो ।

507. दॉत : मुख के अन्दर निकली हुई हड्डीयॉ जिन से खाया गया गस्सा चबाया जाता है । दॉतों से आहार को काटा भी जाता है ।
508. दान्त : ऐसा व्यक्ति जिसने अपनी इन्द्रीयों को वश में कर लिया हो ।

509. दामनी : रस्सी, डोरी ।
510. दामिनी : बादलों में चमकने वाली बिजली ।

511. दासा : वह चबूतरा जो भारत के पारम्परिक मकानों में ऑगन के चारों ओर भीत से सटा कर बनाया जाता है ।
512. दशा : हाल । हालत । स्थिति ।

513. दिन : रवि के उदय होने के समय से कुछ पहले से जो ऊषा काल कहलाता है , सूर्यास्त के बाद संध्या के अन्त तक का समय । इसे दिवस भी कहते हैं । रात का विपरीत समय ।
514. दीन :दरिद्र । जिसके पास जीवन यापन के लिये भी धन नहीं है । गरीब । उदास।
515. दीनी : बहुत दिनों का पुराना ।

516. दिशा : ओर । वित्त के चार कल्पित विभागों में से एक विभाग का विस्तार ।
517. दीक्षा : संकल्पपुर्वक अनुष्ठान । मन्त्र का उपदेश । गुरूमंत्र । गुरू से नियमपूर्वक मन्त्र ग्रहण करना ।

518. दुर्गम : जहॉ पहुॅचना कठिन हो । जिसका जानना कठिन हो । विकट ।
519. दुर्ज्ञेय :जो आसानी से समझ न आ सके । दुर्लभ
520. दुर्बोध : न समझ में आने वाली स्थिति । मुश्किल से मिलने वाला ।

521. दूषित : दोषयुक्त । जिसमें दोष है ।
522. दुसूती : एक प्रकार का सूती कपड़ा जिसमें दो तागों का ताना और बाना रहता है ।

523. दृढ़: स्थूल । बलवान । पक्का । कठिन । निडर । ढीठ । पुष्ट

524. दृढ़ता : पुष्टता । ठोस । जो आसानी से न टूट सके ।
525. दृढ़ निश्चय : अपने संकल्प का पक्का । ठोस इरादा । अटूट।

526. देन : देने की वस्तु या भाव ।
527. देना : देने की क्रिया । किसी वस्तु से अपना अधिकार हटाकर दूसरे के अधिकार में सौंपना । डालना । लगाना ।

528. देश : पृथ्वी का वह भाग जिसका कोई विशिष्ट नाम हो और जिसके अर्न्तगत कई नगर और ग्राम आते हों ।
529. देशक : उपदेश देने वाला ।

530. देह : शरीर ।
531. दैहिक : शरीर से सम्बन्धित । शरीरिक ।
532. देहातीत : वह व्यक्ति जिसको अपने शरीर से ममता न हो । जो कोई कष्ट बिना किसी शिकायत के झेल सकता हो।

533. देव : देवता , पूज्य व्यक्ति ।
534. देवी : देवपत्नी । दैवी : देवता से सम्बन्धित ।
535. देवकृत : आकस्मिक । प्रारब्ध से होने वाली घटना ।

536. दोरसा : जिसमें दो प्रकार के स्वाद या रस हों ।
537. दोराहा : जहॉ से दो मार्ग भिन्न दिशाओं में जाते हों ।
538. दोहरा : दो बार मोड़ा हुआ या तहाया हुआ । जिसमें दो परतें हों । दुगुना ।
539. दोहा : हिन्दी साहित्य में एक मात्रा वाला छंद जिस में केवल दो पंक्तियॉ होती हैं। दोष : अवगुण । परायापन । कलंक, पाप । आयुर्वेद में शरीर के विकार जैसे कि कफ , पित्त, वायु, जिनके असन्तुलित होने से सारे रोग होते हैं ।
540. दोषन : अपराध , दोष , दूषण ।

541. दौड़ : ।द्रुतगमन । बुद्धि की सोच की गति । लम्बाई । अधिक से अधिक जो उपाय किया जा सके । गति की पहुँच ।
542. दौड़ना : किसी स्थान से गति के साथ चले जाना या वहाँ पहुँच जाना । तेज गति से चलना । चढ़ दौड़ना, धावा करना ।
543. दौड़ा दौड़ी : आतुरता । व्यग्रता । प्रतिदिन अधिक कार्य या अन्य कारणों से परेशान रहना ।

544. द्रग : नेत्र । ऑख ।
545. द्रव : गीला , तरल, पिघला हुआ ।
546. द्रवण : बहाव , बरमी, पिघलने की क्रिया । हृदय में दया का भाव उमड़ने की भावना ।
547. द्रव्य : वस्तु, धन, सामग्री । प्रकृति में पाये जाने वाले पदार्थों के तीन रूपों में से एकरूप। ये तीन रूप हैं ठोस, द्रव्य व वायु ।

548. द्राव : बहाव । गमन । पसीज कर बहने की क्रिया । जैसे, बर्फ पसीज कर पानी बन जाती है ।
549. द्रावक : हृदयग्राही ।
550. द्रवित : गलाया हुआ ।

551. द्रुति : गति ।
552. द्रुतगति : तीव्र गति । शीघ्र चलने का स्वभाव ।

553. द्वार : साधन । भवन या मकान के अन्दर आने या बाहर जाने के लिये खाली जगह, जिसे किवाड़ों से बन्द रखा या खोला जाता है ।
554. द्वारा : साधन से । माध्यम से । धक : धंका : धक्का ।

'ध' अक्षर से आरम्भ शब्द

555. **धक :हृदय के धड़कने की ध्वनि का शब्द । उमंग । उद्वेग ।**
556. धक धकी: तेज़ धड़कन ।
557. धकपक : डरने पर हृदय की असंतुल्ति गति ।
558. धकपकाना : डराना । दहलाना । धमकाना ।

559. धक्का : टक्कर । धचका । धंका, आघात, झोंका, हानि । धक्कामुक्की : मुठभेड़ । मारपीट ।
560. धक्कमधक्का : भीड़ में लोगों द्वारा आपस में धक्का देने की स्थिति ।

561. धंधा : व्यवसाय । कामकाज । उद्यम । रोज़ी रोटी ।
562. धॅसना : ऐसा फॅसना कि निकलना मुश्किल हो ।
563. धॅसाना : गाड़ना, चुभाना पैठाना ।
564. धज : सुन्दर रचना । आकृति । धजा : ध्वजा । पताका । झंडा ।

565. धन : द्रव्य । सम्पत्ति । अतिप्रिय वस्तु ।
566. धनक : धनुष, कमान । टोपी में लगाने का गोटा ।
567. धनण्जय : अग्नि। आग ।
568. धनद : धन देने वाला । कुबेर ।
569. धनधान्य : धन और अन्न आदि । सामग्री । सम्पत्ति ।
570. धनधाम : रूपया पैसा और घरबार ।
571. धनवान : जिसके पास धन हो । धनशाली । धनवन्त ।
572. धन्यवाद : साधुवाद । कृतज्ञयता सूचक शब्द ।
573. धरण : धारण करने की क्रिया ।

574. धारण : थामना । स्वीकार करना । पहिनना । रक्षा, स्थापन । ग्रहण ।
575. धारणा : स्मर्ण शक्ति । पक्का विचार । बौद्धिक प्रवृति जो आसानी से नहीं बदलती । मॉइनडसैट ।
576. धारणीय : धारण करने योग्य ।
577. धरणी : पृथ्वी, धरती । नाड़ी । संसार ।
578. धरहर : बचाव ।
579. धीरज । रक्षा ।
580. धराधर : पर्वत । शेषनाग । विष्णु ।

581. धर्म : सत्कर्म, पुण्य , सदाचार, प्रकृति । नियम । नित्यनियम । कोई विशिष्ट व्यापार ।
582. धर्मकर्म : वह कार्य जिसका करना किसी धर्मग्रन्थ में आवश्यक बतलाया गया हो ।
583. धर्मक्षेत्र : कर्मभूमि ।
584. धर्मज्ञ : धर्म को जाननेवाला ।
585. धर्मपरायण : सर्वदा धर्मकार्य का यथाशक्ति अनुष्ठान करने वाला ।
586. धर्मार्थ : धर्म के निमित्त । परोपकार ।
587. धर्मवतार : साक्षात धर्म । अत्यन्त धर्मात्मा । उचित प्रकार से न्याय करने वाला ।

588. धवल : सफेद , उजला, सुन्दर , निर्मल ।
589. धवला : सफेद गाय।

590. धागा : बटा हुआ सूत । डोरा । तागा ।
591. धाता , विधाता । ब्रह्मा ।

592. धातु : परमात्मा । शरीर को धारण करने वाला । द्रव्य । शब्द का वह रूप जिससे क्रिया बनती है । खान से निकाले जाने वाले द्रव्य जो भारी हों और गलाये जा सकें । द्रव्य जिनमें गुरूत्व हो ।

593. धर : निरन्तर । जल का प्रवाह । किसी काटने वाले हथियार का पैना किनारा । दिशा ।

594. धाप : दूरी का नाप जो एक या दो मील माना जाता है । तृप्ती । सन्तोष ।

595. धाम : घर , शरीर , स्थान । देवस्थान , अवस्था, स्थिति । गति। स्वर्ग ।

596. धींग : हष्ट पुष्ट मनुष्य । पापी । उपद्रवी ।

597. धींगा : उपद्रवी । पाजी ।

598. धींगा धींगी : बलप्रयोग । उपद्रव । धी : बुद्धि । ज्ञान । मन । कर्म । बुद्धि का गुण ।

599. धीति : प्यास । आराधना ।

600. धीर : धैर्यचित्त , विनीत, नम्र । गंभीर । मनोहर । सुन्दर ।

601. धीमा । धीरे : मन्द गति से ।

602. धुः कॅपकॅपी । थरथरहट ।

603. धुॅकार : गड़गड़ाहट ।

604. धुन : किसी काम को निरन्तर और बिना सोचे समझे, करने की प्रवृति ।

605. धुनी : निरन्तर किसी कार्य के बारे में सोचना या उसे करते रहने की प्रवृति ।

606. धुरन्धर : बोझा ढोने वाला मनुष्य या पशु ।
607. धूरा : धूल । चूर्ण ।

608. धूप : रवि का प्रकाश । गन्धद्रव्यों को मिला कर बनाया गया पदार्थ जो सुगन्धि धुएँ के लिये पूजा अर्चना में जलाया जाता है ।
609. धूमधाम : समारोह । ठाटबाट ।

'न' अक्षर से आरम्भ शब्द

610. नम्बरी : जिस पर संख्या लिखी हो ।
611. नम्बरी गज : तीन फुट का गज । न
612. नम्बरी सेर : अस्सी रुपये की तौल का सेर ।
613. नकेल : ऊँट की नाक में बन्धी हुई रस्सी ।

614. नचेत् : नही तो, ऐसा न हो कि ।
615. नदि : स्तुति । प्रशंसा ।
616. नदी : किसी पर्वत या जलाशय से निकल कर बहनेवाले जल का बड़ा प्रकृतिक प्रवाह, जो वर्ष भर बहता रहता है और जिसका जल किसी अन्य बड़ी नदी या सागर में जा कर मिलता है ।

617. नयन : ऑख, नेत्र , चक्षु ।
618. नयनी : ऑख की पुतली ।
619. नयना : लटकना । झुकना ।
620. नयनू : एक प्रकार की मलमल जिस पर सफेद बूटियॉ बनी होती है ।

621. नयनवारि : नेत्रजल । ऑसू ।

622. नाच : अंगों की वह गति जो मन की उमंग के कारण उत्पन्न होती है । नाट । नृत्य ।

623. नाचार : असहाय । व्यर्थ । तुच्छ । नाड़ : ग्रीवा , गर्दन।

624. नाड़ी : देहस्थित शिरा । जीवों के शरीर में रक्तवाहिनी नालियॉ जिनके माध्यम से रक्त हृदय से पूरे शरीर में संचारित होता है।

625. नाद : शब्द । अनुस्वर के समान उच्चारित होने वाला वर्ण ।

626. नादविद्या : संगीत शास्त्र ।

627. नादी : शब्द करने वाला ।

628. नादना : शब्द करना । वाद्य बजाना । चिल्लाना । गरजना ।

629. नार : गला , गरदन ।

630. नारी : अबला , वामा , स्त्री ।

631. निकट : समीप का स्थान या वस्तु । आसपास ।

632. निकर : समूह, झुंड राशि ।

633. निकास : द्वार । आय । आय का ढ़ंग । वह स्थान जिससें हो कर व्यक्ति या वस्तु बाहर निकलती है । क्रम । छुटकारे का उपाय ।

634. निकासी : बिक्री, खपत , चुंगी , भरती , प्राप्ति, आय, लदाई ।

635. निवास : रहने का स्थान । घर । गृह । आश्रम । निकेतन । मकान ।

636. निकृति : तिरस्कार । अपकार । शठता । नीचता ।

637. निकृष्ट : अधम । नीच । तुच्छ ।

638. निक्षिप्त : रखी हुई धरोहर ।

639. निखार : निर्मलता । स्वच्छता । निखरना ।
640. निखरी : घी में पकाया हुआ भोजन या द्रव्य ।
641. निहार या नीहार : हिम , ओस, कुहरा, पाला ।

642. निखिल : समग्र , सम्पूर्ण । सब ।
643. निर्दिष्ट : निश्चित , ठहराया हुआ।

644. निगमागम : वेदशास्त्र ।
645. निगम : व्यापार , वाणिज्य ।
646. निगर : भोजन ।

647. निद्रा : नींद । स्वप्न । सुषप्ति ।
648. निन्दा : किसी को बुरा भला कहना । अपवाद । दुष्कृति।

649. निपुण : कार्य कुशल । विद्वान ।
650. निबुकना : बंधन से मुक्त होना ।

651. नियति : नियम । स्थिरता । बन्धेज ।
652. नियम : प्रतिज्ञा । विधि या नियम अनुसार प्रतिबन्ध । निश्चय । व्यवस्था । पद्वति । परम्परा । क्रम ।

653. नियुक्त : अधिकार प्राप्त । अधिकार से प्रेरित ।
654. नियोग : प्रेरणा में नियुक्ति । आज्ञा । निश्चय । नियोगी : जो नियुक्त किया गया हो । नियोगपत्र : जिस पत्र में किसी की नियूक्ति के बारे में लिखा हो ।
655. निरन्तर : घना । सदा । सर्वदा । निबिड़ । लगातार । बिना रुकावट के ।
656. निरन्न : बिना अन्न खाये । उपवास ।
657. नीरस : रसहीन । फीका । सूखा । निरस ।

658. निरस्त : रद्द किया हुआ । अन्दर से बाहर भेजा हुआ । बाहर की ओर उगला हुआ । थूका हुआ । थूकने की क्रिया । कार्य का खराब कर दिया जाना । प्रकाशित निदेश का रद्द कर दिया जाना ।

659. निरा : विशुद्ध । एकमात्र । बिना मोल का । पृथक् । निराला । निपट । निराट ।

660. निराकार : जिसका कोई आकार न हो । परमेश्वर ।

661. निरक्त : वेद का चौथा अंग । व्याख्या किया हुआ ।

662. निरुद्ध : बँधा हुआ । रुका हुआ ।

663. निरुपाय : जिस समस्या का कोई उपाय या हल न हो ।

664. निरूपित : विचारा हुआ । निर्णय किया हुआ ।

665. निर्जन :सुनसान स्थान जहाँ कोई जीव न हो । जहाँ कोई पक्षी या पशु की भी आवाज़ सुनाई न दे रही हो, ऐसा विरान स्थान ।

666. निर्जल : बिना जल के । जल रिक्त । मरुस्थल जैसा ।

667. निर्जित : जीता हुआ । पराजित किया हुआ ।

668. निर्जीव : जिसमें जीवन ही न हो । प्राणहीन । पत्थर या चट्टान । अचेतन ।

669. निर्झर : झरना । सोता, जिसमें चट्टानों के बीच दरारों में से, बरसात के महीनों में, पानी बाहर निकलता रहता है ।

670. निर्झरिणी :नदी जिसमें वर्ष भर पानी बहता है ।

671. निर्णय : किसी विषय में कोई सिद्धान्त स्थिर करना । विचार । फैसला, निबटारा ।

672. निर्णेय : निर्णय करने योग्य ।

673. निर्दय : दयाहीन । निष्ठुर । निर्मम ।
674. निर्मम : अत्याचारी । जिस के हृदय में दया या ममता न हो। बिना मर्म के ।

675. निर्देश : उल्लेख । वर्णन । नाम। चेतन ।
676. निर्दोष : दोषरहित । बिना दोष के । शुद्ध ।
677. निर्दोषी : जिसने कोई अपराध न किया हो ।

678. निर्धन : धन रहित ।
679. निर्धूत : धुला हुआ । स्वच्छ किया हुआ।
680. निर्मल : स्वच्छ । धुला हुआ । पवित्र । शुद्ध।

681. निर्धारणा : निश्चित करना । ठहराना । निर्धारित करना ।

682. निर्मुक्त : जो मुक्त हो गया हो ।
683. निर्मूल : बिना आधार के । बिना जड़ के । निर्मोल : अमूल्य । जिसका मेल न किया जा सके ।
684. निर्वचन : मौन ।
685. निर्वाचन : चुनाव ।

686. निर्भीक : निडर , बिना भय के । निःशंक । निर्भय ।
687. निर्भर : अवलम्बित । आश्रित । जीवन यापन के लिये दूसरे के सहारे पर होना ।

688. निर्मम : अत्याचारी । जिस के हृदय में दया या ममता न हो। बिना मर्म के । निर्दयी ।

689. निर्मोह : बिना किसी मोह के । मोह शून्य ।

690. निवर्तक : प्रतिबन्धक ।

691. निवर्तन : साधन । माध्यम ।
692. निवसन : वस्त्र, कपड़ा, घर ।
693. निवसना : बसना । रहना ।

694. निवाज : कृपा करने वाला या वाली।
695. निवार : रोकने वाला ।
696. निवारना : निषेध करना । मना करना ।

697. निवारण : छुटकारा । निवृत्ति ।
698. निवृत्ति : मुक्ति। छुटकारा ।

699. निविड़ : गहरा । घना ।
700. निविष्ट : प्रविष्ट । घुसा हुआ।
701. निवृत्त : घिरा हुआ ।

702. निवेरा : छॉटा हुआ ।
703. निवेरना : निबटाना । तय करना ।
704. निशा : रात्रि । रात । निशि । रजनी । निशीथ ।
705. निशाकर : चन्द्रमा । निशानाथ । निशाधीश । निशापति । निशिनाथ । निशिपाल । निशिनायक ।
706. निशिदिन : रातदिन । निशिवासरः सर्वदा । रात दिन ।

707. निश्चय : विश्वास । पक्का विचार ।
708. निश्चयात्मक : बिना सन्देह के । निश्चितरूप से । निश्चयी : स्थिर किया हुआ । ठहराया हुआ ।

709. निश्चिन्त : चिन्तारहित । बिना किसी चिन्ता के ।

710. निश्चल : स्थिर , अचल , निश्चेष्ट , अचेत ।
711. निश्चलता : दृढ़ता । स्थिरता ।

712. निशेष : जिसमें कुछ बाकी न हो ।
713. निश्रेयस : कल्याण । मोक्ष।
714. निषेध : बाधा । रुकावट । वर्जन । जिसे मना किया गया हो

715. निषेचन : सींचना । भिगोना ।
716. निष्कर्ष सारांश । सार । निचोड़ ।

717. निष्क्रयः किसी वस्तु के बदले दिया जाने वाला धन, विनिमय , बदलाव ।

718. निष्ठा : धर्म आदि में विश्वास एवं श्रद्धा ।
719. निष्ठुर : कठोर मन का । क्रूर । निर्दयी । कठिन ।

720. निसत्ः असत्य , झूठ ।
721. निसक : दुर्बल, बिना शक्ति के । जो कुछ भी कर नहीं सकता
722. निसठ : निर्धन । दरिद्र ।
723. निसीठा : बिना रस का । फीका ।
724. नीरस । रसहीन ।

725. निसर्ग : प्राकृति । स्वभाव । स्वरूप । सृष्टि ।
726. निसित : तीव्र ।

727. निस्तल : बिना तल का । बिना पेंदी का ।
728. निस्तार : उदार ।

729. निहार : हिम । ओस । पाला ।

730. निहारना : ध्यान पूर्वक देखना । निहित : नष्ट किया हुआ । फेंका हुआ ।

731. निहाई : लोहे का चौकोर टुकड़ा जिस पर लोहार या सुनार धातु को हथौड़े से पीटते हैं ।

732. नीमन : निरोग । अच्छा भला । स्वस्थ्य ।

733. नीमर : बलहीन । दुर्बल । जिसमें शक्ति की कमी हो ।

734. नीर : जल । पानी । कोई द्रव्य पदार्थ ।

735. नीरजात : जो जल से उत्पन्न हुआ हो । कमल ।

736. नीरज : कमल । मोती । पद्म । नीररुह ।

737. नीरद : मेघ , बादल । नीरधर ।

738. नुति : स्तुति , वन्दना , पूजा ।

739. नूत : नया । नूतन । अनोखा । अपूर्व ।

740. नौतम : अत्यन्त नवीन । बहुत नया ।

741. नून : नमक , लवण ।

742. नूनताई : न्यूनता । कमी ।

743. नृ : पुरुष ।

744. नृत्य : पुरुष का नाच । ताण्डव नृत्य ।

745. नेत : निर्धारण । निश्चय ।

746. नेति नेति : वेदों में अन्तिम वाक्य जिसका अर्थ है "इति नहीं" , यानि "यह अन्त नहीं है" ।

747. नेती : मथनी में लपेट कर खींचने वाली रस्सी ।

748. नेम : नियम , रीति , बन्धेज ।

749. नेमी : धर्म की दृष्टि से पूजा पाठ , व्रत उपवास , के नियमों को मानने वाला व पालन करने वाला ।

750. नेमि : चक्कर , वज्र । पहिये का घेरा । कुवें का जगत ।

751. नोंकझोंक : वाद विवाद । छेड़ छाड़ की बातें ।

752. नोहर : दुर्लभ । अलभ्य । जिसे पाना अति कठिन है ।

753. नैहर : पत्नी के पिता का घर । मायका ।

754. न्यारा : अलग । निराला । अनोखा । भिन्न । अन्य ।

755. न्यास : उपनिधि । धरोहर । किसी दूसरे की वस्तु जो उसे लौटानी है । निक्षेप ।

756. न्याव : नियम । नीति । आचरण । पद्धति ।

757. न्यून : शून्य । अल्प । कम । प्रचालित परिमाण से कम ।

प अक्षर से आरम्भ शब्द अगले पाठ में ।